वर्ष :: 34 अंक : 11
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 10 दिसंबर, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

भारत में स्टील की खपत में वृद्धि इस्पात उद्योगों के लिए अच्छा संकेत : अमरेन्दु

7.5 एमटी होगी बीएसएल की क्षमता

सेल चेयरमैन से खास बातचीत

- विजय कुमार झा -

बोकारो : 'अगर हम अंतरराष्ट्रीय बाजार को देखें तो पूरी दुनिया में स्टील की खपत दर आज के समय में लगभग एक प्रतिशत पर है, लेकिन भारत में स्टील की खपत लगभग 14 प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। यह देश में इस्पात उद्योग के लिए यह बहुत अच्छा संकेत है।' उक्त बातें 'स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड' (सेल) के अध्यक्ष अमरेन्दु प्रकाश ने अपने बोकारो प्रवास में 'मिथिला वर्णन' से हुई खास बातचीत के दौरान कहीं। सेल अध्यक्ष के रूप में पहली बार बोकारो दौरे पर आये श्री प्रकाश ने बोकारो निवास में कहा कि पिछले छह महीने में एक नए रूप में उन्हें जो कुछ देखने का मौका मिला है, उससे यही कहा जा सकता है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) प्रगति की ओर है। सेल के सारे प्लांट में उत्पादन बढ़ा है। कम्पनी अपनी क्षमता का उपयोग आज लगभग 94 प्रतिशत कर रही है, जबकि इस्पात उद्योग यह बहुत सामान्य नहीं है। स्टील इंडस्ट्री में

डी-कार्बोनाइजेशन
बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा

सेल अध्यक्ष ने कहा कि सेल ने कुछ और प्राथमिकताएं तय की हैं। उनमें डी-कार्बोनाइजेशन महत्वपूर्ण है। क्योंकि, आज के समय में डी-कार्बोनाइजेशन बहुत ही महत्वपूर्ण मुद्दा है और ऐसी स्थिति आ रही है, जहां केवल एक देश, एक समाज के लिए नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) पूरी दुनिया पर असर कर रहा है। स्टील इंडस्ट्री में हर कोई इस पर योजना बना रहा है। डी-कार्बोनाइजेशन (कार्बन तीव्रता को कम करने) के लिए बोकारो का अपना अलग से रोड-मैप बन रहा है। इस क्रम में सेल ने भी अपना रोड मैप तैयार किया है। प्लांट में हम कार्बन तीव्रता (इंटेन्सिटी) कितना कम कर सकेंगे, हमारी क्या योजना है, उसे कैसे पूरा करेंगे, इसकी घोषणा हम जनवरी, 2024 में करेंगे।

देखें तो औसतन 80-85 प्रतिशत कैपेसिटी यूटिलाइजेशन अर्थात क्षमता का उपयोग हुआ करता है। उन्होंने कहा कि आज के दिन में सेल की सभी इकाइयां अपनी क्षमता का लगभग 94 प्रतिशत उत्पादन

70 फीसदी जरूरतें पूरी करेंगी रिफ्रैक्ट्री इकाइयां

एक सवाल के जवाब में सेल चेयरमैन ने कहा कि अभी सेल रिफ्रैक्ट्री यूनिट (एसआरयू) की रामगढ़ (रांचीरोड) में दो, भंडारीदह में एक तथा भिलाई में एक, कुल चार फैक्ट्रियां हैं। ये सेल की कुल रिफ्रैक्ट्री जरूरतों का लगभग 30 से 40 प्रतिशत पूरा करती हैं। शेष बाकी रिफ्रैक्ट्री हम बाहर से लेते हैं। हमारी योजना यह है कि हम 20 मिलियन टन से बढ़कर 35 मिलियन टन तक पहुंचें। साथ-साथ हम एसआरयू को इस तरह विकसित करें कि 35 मिलियन टन में हमें जो रिफ्रैक्ट्रीज की जरूरत होगी, उसका 70 प्रतिशत एसआरयू से पूरा करे। इसके लिए जो टेक्नोलॉजी और ज्ञान की जरूरत है, उसके लिए हमने दुनिया की टॉप रिफ्रैक्ट्री उत्पादक कंपनियों से सम्पर्क किया है और उनकी टीम हमारे प्लांट को विजिट करेंगी। फिर एसआरयू के आधुनिकीकरण तथा क्षमता विकास का कार्यक्रम चलाएंगे।

कर रही हैं, जो सामान्यतः काफी ज्यादा है और चूंकि देश में इस्पात की खपत बढ़ रही है तो उसी दृष्टि से सेल भी अपनी उत्पादन क्षमता को और अधिक बढ़ाने पर काम कर रहा है। इस वार्ता के दौरान उनके साथ राउरकेला एवं बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी अतनु भौमिक, बोकारो स्टील प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बी के तिवारी, अधिशासी निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) राजन प्रसाद, प्रमुख (संचार) मणिकांत धान, वरीय प्रबंधक (जनसंपर्क) अभिनव शंकर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

एक प्रश्न के उत्तर में सेल चेयरमैन अमरेन्दु प्रकाश ने कहा कि बोकारो में अगर प्लांट की बात करें तो इसे अभी 5 मिलियन टन कहते

स्थापना दिवस पर जारी होगा सेल का भावी विजन

सेल अध्यक्ष ने कहा कि हमारे लोगों में खुशी, लोगों के दिल में जोश और हमारे लोगों के सामर्थ्य में वृद्धि, ये तीनों हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। कैसे हम अपने लक्ष्य तक तक पहुंचें, इस दिशा में हमने ये तीन चीजें अभी ली हैं। एक सेल का एक विजन स्टेटमेंट है, जिसके 20 साल हो चुके हैं। अब आगे 20 साल हम कैसे चलें, हमें क्या करना चाहिए, इस दिशा सबसे बातचीत करके हम एक नया विजन स्टेटमेंट बनाना चाहते हैं। इस दिशा में हमने सर्वे लॉन्च किया है। हमारी कोशिश है कि 24 जनवरी 2024 को सेल स्थापना दिवस पर हम अपना नया विजन स्टेटमेंट सामने लाएं।

हैं, लेकिन इसकी उत्पादन क्षमता 4.5 मिलियन टन है। प्लांट का विस्तारीकरण कर इसकी क्षमता बढ़ाकर 7.5 मिलियन टन करने की योजना है। इस पर वृहद रूप से काम चल रहा है और वर्ष 2027-28 तक बोकारो स्टील प्लांट की उत्पादन क्षमता 7.5 मिलियन टन होगी। सेल अध्यक्ष ने कहा कि आज के समय...**(शेष पेज- 7 पर)**

गुड न्यूज 28 फरवरी 2024 की तिथि मानी जा रही अवश्यंभावी, उप महानिदेशक ने लिया जायजा; अब आएगी डीजीसीए की टीम

अब सिर्फ लाइसेंस का इंतजार, बोकारो एयरपोर्ट उड़ान को तैयार

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो हवाई अड्डा से व्यावसायिक उड़ान जल्द ही शुरू होने को है। इसके लिए लगभग तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। बोकारो विधायक बिरंची नारायण के अनुसार आगामी 28 फरवरी इसके लिए तिथि तय की गई है। एयरपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारी भी लगातार निरीक्षण कर रहे हैं।

इसी क्रम में नागरिक उड्डयन मंत्रालय के उप महानिदेशक (डीजी) प्रमोद कुमार ठाकुर दो दिवसीय दौरे पर बोकारो पहुंचे। शनिवार को उनका दो दिवसीय दौरा संपन्न हुआ। दूसरे दिन उन्होंने बोकारो हवाई अड्डा का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर का जायजा लेने के साथ ही हर पहलू का जायजा लिया।

अधिकारियों ने कार्य-प्रगति पर जताई संतुष्टि

निरीक्षण के दौरान डीडीजी के अलावा पर्सनल सेक्रेटरी राजेन्द्र कुमार, बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची के डायरेक्टर अनिल कश्यप, झारखंड स्टेट एविएशन के सलाहकार अशोक विश्वास, बीएसएल के सीजीएम लक्ष्मी दास

आरसीएस के तहत शुरू होगी व्यावसायिक उड़ान

आदि भी मौजूद थे। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने कहा कि हवाई सेवा शुरू करने की तैयारी की जांच व कार्य-प्रगति की समीक्षा की गई। इसमें पाया गया कि एयरपोर्ट उड़ान सेवा के लिए तैयार है।

कहा कि फाइनल लाइसेंस के लिए अब डीजीसीए को रिपोर्ट भेजी जाएगी। उसके बाद डीजीसीए की टीम जांच करने आएगी और उड़ान के लिए फाइनल लाइसेंस देगी। अधिकारियों ने एयरपोर्ट देखकर संतुष्टि जताई।

फायर ब्रिगेड और पुलिसकर्मी भी बहाल किए गए

बोकारो एयरपोर्ट की कार्य-प्रगति की बात करें तो यहां हाल ही में अग्निशमन विभाग, रांची ने दमकल भी भेजे हैं। विशेष फायर टेंडर टीम और पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति भी हो चुकी है। नए साल के फरवरी माह में इसे शुरू करने का समय तय किया गया है। अब डीजीसीए से लाइसेंस का इंतजार है। इसे लेकर दो माह सितंबर में एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया की ओर से भी इसका निरीक्षण किया गया था। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के ईस्टर्न रीजन के ऑपरेशनल हेड मनोज कुमार और उनकी टीम बोकारो एयरपोर्ट पहुंची थी। लाइसेंस लेने में कई त्रुटियां आ रही थीं। इसे लेकर ऑपरेशनल हेड मनोज कुमार ने नए सिरे से उड़ान की अनुमति के लिए फॉर्म अप्लाई करने को कहा था। बता दें कि बोकारो में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस) के तहत हवाई सेवाएं शुरू होनी हैं।

– संपादकीय –

अनैतिकता का समर्थन क्यों?

राजनीति में भ्रष्टाचार और अनैतिकता किस कदर हावी है, इसके कई उदाहरण सामने हैं। भ्रष्टाचार और अनैतिकता का विरोध तो जरूरी है, लेकिन अगर इसका समर्थन किया जाए तो इसे दुर्भाग्यपूर्ण ही माना जाएगा। आज अपने देश में कुछ ऐसा ही हो रहा है। देश के तीन राज्यों- झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहू के 10 ठिकानों पर आयकर विभाग की छापामारी के दौरान अभी तक 300 करोड़ रुपये से अधिक का काला धन बरामद हो चुका है। नोटों की गिनती में दर्जनों मशीनें लगाई गई हैं। कांग्रेस सांसद के ठिकानों से कालेधन की बरामदगी ने एकबार फिर साबित कर दिया है कि कांग्रेस और भ्रष्टाचार के बीच का कार्या रिश्ता रहा है। आयकर विभाग की इस छापामारी ने भाजपा को कांग्रेस को घेरने का एक और मौका दे दिया है। यही वजह है कि भाजपा की ओर से राज्य भर में धरना-प्रदर्शन का दौर जारी है। कांग्रेस सांसद धीरज साहू को राहुल गांधी के प्यारे-दुलारे बता रहे हैं। लेकिन, झामुमो और कांग्रेस के नेता इसे भी भाजपा की साजिश बता रहे हैं। उधर, झारखंड के साहिबगंज में हुए 1000 करोड़ के अवैध खनन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से लगातार चौंकाने वाले खुलासे किये जा रहे हैं। इस मामले में भी बहुत जल्द कई बड़ी हस्तियों पर गाज गिरना अवश्यंभावी माना जा रहा है और फिर इसे लेकर भी समर्थन और विरोध की राजनीति रंग लाने वाली है। तेलंगाना में विधानसभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के विधायक अकबरुद्दीन ओवैसी की नियुक्ति पर आपत्ति जताते हुए तेलंगाना के भाजपा विधायकों ने शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार कर दिया। तेलंगाना के भाजपा प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने शनिवार को प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति में विधानसभा नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। दरअसल, पुलिस को 15 मिनट के लिए हटाये जाने पर देश भर में 15 मिनट के अन्दर 100 करोड़ हिन्दुओं को खत्म करने की बात कहने वाले ए.आई.एम.आई.एम. सुप्रीमो एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी के छोटे भाई अकबरुद्दीन ओवैसी को तेलंगाना में प्रोटेम स्पीकर बनाये जाने पर भाजपा विधायकों का विरोध करना स्वाभाविक है। भाजपा तेलंगाना में भी कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही है। भाजपा नेताओं का कहना है कि तेलंगाना विधानसभा में अकबरुद्दीन ओवैसी से वरिष्ठ कई और विधायक हैं, जिन्हें यह मौका न देकर एक ऐसे व्यक्ति को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर बनाया गया, जो साम्प्रदायिक एकता के खिलाफ अपने विवादित बयानों को लेकर हमेशा चर्चा में रहे हैं। सच कहें तो कांग्रेस नेतृत्व का यह भी अनैतिक आचरण ही कहा जाएगा। इसके पहले भ्रष्ट एवं अनैतिक आचरण के मामले में दोषी पाये जाने के बाद तृणमूल कांग्रेस की तेज-तर्रार सांसद महुआ मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म हो गई है। उनके खिलाफ पैसे लेकर सवाल पूछने के आरोपों और आचार समिति की सिफारिश में दोषी पाये जाने के बाद शुक्रवार को उन्हें लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया। हालांकि, विपक्ष द्वारा महुआ के निष्कासन को भाजपा की ओर से की गई बदले की कार्रवाई बताकर इसका विरोध किया जा रहा है। जबकि, महुआ मोइत्रा ने स्वयं यह माना है कि एक सांसद के रूप में उन्होंने संसद में सवाल पूछने के लिए उपलब्ध कराये जाने वाली 'लॉगइन आईडी' और 'पासवर्ड' दुबई स्थित भारतीय कारोबारी दर्शन हीरानंदानी को उपलब्ध कराये थे। लोकाचार समिति की जांच में भी यह प्रमाणित हो गया था कि महुआ मोइत्रा की ओर से दर्शन हीरानंदानी द्वारा प्रश्न पूछे जाते थे, जो देश के बड़े कारोबारी गौतम अडानी के प्रतिस्पर्धी हैं। महुआ मोइत्रा की आड़ में दर्शन हीरानंदानी नीतिगत विषयों पर ऐसे प्रश्न पूछते थे, जो उन्हें लाभ पहुंचा सकें। यह मामला इसलिए भी बहुत गंभीर है, क्योंकि महुआ मोइत्रा ने एक सांसद के रूप में न सिर्फ प्रश्न पूछने के अपने अधिकार को एक कारोबारी के हवाले कर दिया, बल्कि इसके बदले उन्होंने उनसे पैसे और महंगे उपहार भी लिये। कुल मिलाकर, राजनीति में भ्रष्टाचार और अनैतिकता के ये मामले बताते हैं कि देश में कुछ राजनेता सत्ता का दुरुपयोग किस तरह कर रहे हैं। विरोध और समर्थन का यह खेल तो आगे भी चलता रहेगा। लेकिन, लोकतंत्र में जनता ही सर्वोपरि है। अनैतिकता की कोख से जन्मे भ्रष्टाचार ने हमारे देश को कितना नुकसान पहुंचाया है, अनैतिकता और भ्रष्टाचार के समर्थन में थोथी दलीलें कौन और क्यों दे रहा है, इस पर हमें ईमानदारी के साथ विचार तो करना ही होगा।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

छुट्टियों के बहाने भारतीय संस्कृति की हुई ऐसी-तैसी

-डॉ. सविता मिश्रा मागधी
वरिष्ठ समीक्षक व विश्लेषक
बेंगलुरू, मो.- 8618093357

कुछ दशकों से बिहार की जनता का नसीब दलदल में फंसता ही जा रहा है। अपनी संस्कृति में सांसें लेने के लिए वह जितना हाथ-पैर मारती है, सत्ताधारी उतना ही उसे दलदल में डुबोने का कार्य कर रहे हैं। साम, दाम, दंड और भेद से उन्हें अपनी कुर्सी चाहिए, बस! पहले तो सीएम ने राज्य में एकता लाने के स्थान पर जातीय जनगणना करा एक कुंठित बीज बो दिया। जातीय जनगणना के स्थान पर अमीरी-गरीबी की गणना क्यों नहीं करवाई उन्होंने? वह इसलिए कि इससे राज्य की खस्ता हालात के भेद खुल जाते। दूसरा काम किया महिलाओं पर भद्दी टिप्पणी कर। महिलाओं का विरोध देख कान पकड़ क्षमा मांग ली। लीजिए साहब, फिर पाक-साफ!

तीसरा फरमान छुट्टी पर बैन। रक्षाबंधन को अवकाश-रहित कर दिया, क्योंकि यह पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्तों को मजबूत बनाता है. पवित्रता से संस्कार और देश मजबूत होता है। सत्तालोलुपों के लिए देश और संस्कार भाड़ में जाए, उन्हें तो पार्क या सार्वजनिक स्थलों पर अश्लीलता चाहिए। उसी तरह शिवरात्रि और जन्माष्टमी की छुट्टी भी खत्म, क्योंकि उस दिन अहिंसा की पूजा होती है। लोग निरामिष ही नहीं रहते, बल्कि उपवास भी करते हैं। हिंसक नेताओं को अहिंसा से क्या लेना-देना? बकरीद पर करोड़ों-करोड़ पशु हलाल होते हैं, पेट में पहुंचे हुए मांस को पचना भी तो चाहिए।

बात करें छठ पूजा की तो कायदे से उसकी छुट्टी छह दिनों की होनी चाहिए थी। बिहार की सबसे बड़ी पूजा छठ पूजा है। यह पूजा ही नहीं, महापर्व है। पश्चिम बंगाल भी दस दिनों की छुट्टी देता है दुर्गा पूजा में। उसी तरह महाराष्ट्र गणपति बप्पा की पूजा में पूरी छुट्टी देता है। कोई भी छुट्टी पर्व की अहमियत और जरूरत के अनुसार होनी चाहिए, न कि धर्म या जाति देखकर बनानी चाहिए।

स्कूलों की छुट्टियों में भी दोहरी नीति अपनाई गई है। जो बच्चे शुक्रवार की छुट्टी के आदी हो जाएंगे, वे ऑफिस में रविवार की छुट्टी का विरोध अवश्य करेंगे। इतनी महत्वपूर्ण बात नीतीश जी के दिमाग में क्यों नहीं आई? नई पीढ़ी का भविष्य बिगाड़ने पर क्यों तुले हैं? क्या वे सठिया गए हैं या पागलपन के दौर से गुजर रहे हैं, जो नियम-कानून की धज्जियां उड़ाते हुए जनता की भावनाओं से खिलवाड़ कर रहे हैं? उनकी दोहरी नीति से केवल उनकी ही छवि नहीं बिगड़ी है, बल्कि उसके साथ भविष्य का काला इतिहास भी रचा गया है।

जनता को जागरूक होना होगा, चाहे वह हिन्दू हो या मुसलमान। आने वाली पीढ़ी के लिए सभी को भारतीय संविधान का सम्मान करते हुए ऐसी राजनीति को धत्ता बताना होगा, जहां स्कूली फेल आलाकमान की कुर्सी पर विराज विकास के अवरोधक हैं, नहीं तो देश को सीरिया बनने से कोई नहीं रोक सकता।

(यह लेखिका के निजी विचार हैं।)

न्याय

मैथिली कविता
– शम्भुनाथ –

उठि रहलै विश्वास लोक केर,
देखि न्याय मे देरी।
सालक साल लगा रहलै अछि,
न्यायालय केर फेरी।।

उचित न्याय केर आस संजोने,
कतेक गेला सुरधाम।
तदपि न्याय नहि भेटल हुनका
भेल न्याय बदनाम।।

न्यायालय छी धन कुबेर केर
चट मंगनी पट ब्याह।
आम जनक नहि रहल न्याय
होइछ ओ मात्र तबाह।।

छन्हि रसूख जिनका पल्ला मे
खुलतै अधरतिया द्वार।
आम लोक की पाबि सकै छथि
न्यायविदक ओ पार?

पाँच धूर केर छलै झमेला
बिगहा पाँच गमौलक।
तदपि गेल फाटक केर भीतर
तखनो न्याय ने पौलक।

अगिला पीढ़ी आब लड़त की
देहे लेलक अंगेज।
जे बाँचल तकरो टा राखी
आगू दिन ले सहेज।।

बढि रहलै आक्रोश लोक केर
देखि जटिलता आइ।
त्वरित यदि निर्णय नै भेटतै
लेत हाथ निज न्याय।।

सही मे सांसद धीरज साहू खानदानी शराब कारोबारी हैं, झारखंड में कांग्रेसी राजनीति की आर्थिक रीढ़ हैं, पर आलमारियों में बंद पड़े ये नोट तो नोटबंदी के बाद, 7 साल के भीतर उपजे हैं। किसके हैं? व्यक्ति के, पार्टी के, सरकार के? मौन टूटे, जवाब आए। स्रोत कोई भी हो, नोट तो जनता की हकमारी के हैं।

- सरयू राय, विधायक।

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भगवा रंग में रंग चुका है। इसके बाद अब 2024 में पुनः पूरा देश भी भगवा रंग में रंगने को तैयार है। भारतीय जनता पार्टी की इस प्रचंड जीत के लिए समस्त पार्टी कार्यकर्ताओं को ढेरों बधाइयां और देवतुल्य जनता-जनार्दन का कोटि-कोटि धन्यवाद। ये जीत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी की नीतियों और जनता के विश्वास की जीत है।

- अमर बाउरी, नेता प्रतिपक्ष, झारखंड।

खुशनुमा शहर, खुशहाल जीवन

फिर गुलजार हुई हैप्पी स्ट्रीट, सेहत और खुशहाली का उत्सव

छपते-छपते

संवाददाता

बोकारो : खुशनुमा शहर, खुशहाल जीवन की सोच के साथ बोकारो में 'हैप्पी स्ट्रीट' का पुनः शुभारंभ हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति समर्थित भारत के एकमात्र ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी बोकारो में लोगों का स्वस्थ और खुशहाल जीवन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से बीएसएल के सहयोग से यह मुहिम पुनः शुरू हुई। इसके शुभारंभ का साक्षी हर खासो-आम बना। क्या बच्चा, क्या बड़ा, अधिकारी से लेकर कर्मचारी, हर कोई, हर उम्र का शख्स इस ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बना। हर किसी ने तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन के लिए व्यायाम, नृत्य-संगीत आदि को माध्यम बनाया। उत्सवमय माहौल में हैप्पी स्ट्रीट का शुभारंभ बोकारो स्टील प्लांट के निदेशक प्रभारी (अतिरिक्त प्रभार) अतनु भौमिक, बोकारो विधायक बिरंची नारायण, जिले के उपायुक्त कुलदीप चौधरी सहित अन्य गणमान्यजनों ने किया।

इसके साथ ही बोकारो मॉल के सामने से लेकर सेक्टर-4 गांधी चौक से लेकर तक की सड़क, जिसे हैप्पी स्ट्रीट का नाम दिया गया है, फिर गुलजार हो गई। डीपीएस बोकारो, चिन्मय विद्यालय, जीजीपीएस, एआरएस पब्लिक स्कूल, केन्द्रीय विद्यालय -1 सहित विभिन्न विद्यालयों ने बच्चों ने इस उत्सव में चार चांद लगा दिए। उनकी ओर से लगाए गए हैप्पी कैम्प में बच्चों ने झारखंड के पारंपरिक नृत्य, योगा, संगीत, पेंटिंग, कसरत जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए अपनी प्रतिभा का खुलकर प्रदर्शन किया। कोई नाचता दिखा, तो कोई गिटार बजाता। कोई योगाभ्यास कर रहा था, दौड़ रहा था, तो कुछ बच्चों की टोली भांति-भांति के करतब व कसरत दिखाती दिखी। डीपीएस बोकारो के सेल्फी प्वाइंट में प्रभारी डीआई, विधायक व डीसी सहित कई गणमान्जनों ने अपनी तस्वीरें खिंचवाईं। रोटरी क्लब बोकारो ने स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया।

इधर, संत जेवियर्स के भूतपूर्व विद्यार्थियों की संस्था बोक्सा, रोटरी मिडटाउन कपल्स सहित विभिन्न गैरसरकारी संस्थानों की ओर से भी स्टॉल लगाए गए। उक्त अतिथियों के अलावा आमलोगों ने भी पेंटिंग, हस्ताक्षर, नृत्य-संगीत का आनंद लिया। बोक्सा के कैम्प में बीएस पोपीली, कुमार अमरदीप, अमित जौहर, शशिभूषण, शिव अग्रवाल, शशिभूषण आदि शामिल हुए।

स्थायित्व बनाए रखना सभी नगरवासियों की जिम्मेदारी : डॉ. जयदीप सरकार

बोकारो को 'ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी' का दर्जा दिलाने तथा 'हैप्पी स्ट्रीट' की शुरूआत के सूत्रधारों में से एक डॉ. जयदीप सरकार ने हैप्पी स्ट्रीट के पुनः शुभारंभ पर प्रसन्नता व्यक्त की। ग्लोबल एक्टिव पार्टनर सिटी के लीड ऑफिसर सह मुख्य प्रशिक्षक, एशियन गेम्स 2023 (भारतीय वॉलीबॉल टीम) डॉ. जयदीप ने कहा कि सेल, बोकारो स्टील प्लांट के सौजन्य से लगातार दूसरे वर्ष आयोजित हैप्पी स्ट्रीट कार्यक्रम एवं ग्लोबल एक्टिव सिटी मिशन के अंतर्गत हाफ मैराथन आदि अन्य महत्त्वपूर्ण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक संपन्न होना यहां के नागरिकों के सकारात्मक रुझान को बताता है। जरूरत है इस चुनौती को स्वीकार करना, जो मुख्यतः नगरवासियों की जिम्मेवारी बनती है। चूंकि ग्लोबल एक्टिव सिटी मिशन एक सिटीजन आधारित मिशन है, अतः इसकी सस्टेनेबिलिटी की जिम्मेवारी भी यहां के नागरिकों, शैक्षणिक संस्थानों, विभिन्न क्षेत्रों के संगठनों के द्वारा उठाया जाना लाजिमी है और तभी यह कार्यक्रम दीर्घस्थाई होगा एवं इसकी सही तरीके से लाभ मिलता रहेगा।

नवाचार

'बोकारो दर्पण' को मिली डिजिटल एंकर 'प्रगति', पांच और बनेंगे

बीएसएल ने विकसित की अपनी एआई प्रणाली, अब मशीन बताएगी संयंत्र की खबरें; चेयरमैन ने सराहा

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग ने अपने अनूठे नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपनी दैनिक वीडियो पत्रिका 'बोकारो दर्पण' के लिए स्वयं का तैयार किया हुआ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) सिस्टम लांच किया है। 'बोकारो दर्पण' के लिए एक एआई न्यूज एंकर प्रगति का विकास किया गया है, जिसका लोकार्पण सेल अध्यक्ष अमरेन्दु प्रकाश ने अपने बोकारो प्रवास के दौरान किया। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन की कड़ी में इस नवीन पहल की सराहना करते हुए सेल अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के भविष्योन्मुख नवोन्मेष सेल में नवाचार की संस्कृति को दिखाते हैं। इसके साथ ही अब बोकारो इस्पात संयंत्र और इससे जुड़ी शहर की खबरों को एआई की मदद से मशीन एंकरिंग कर बताएगी। उन्होंने बोकारो स्टील में इस तरह के प्रयासों को सराहनीय व अनुकरणीय बताया।

युवा प्रबंधक अभिनव ने किया देश का सबसे उन्नत मॉड्यूल विकसित

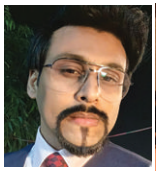

विदित हो कि समाचार-प्रस्तुति के लिए इस एआई वॉइस सह- विजुअल मॉडल का विकास जनसंपर्क विभाग के एक युवा प्रबंधक अभिनव शंकर ने सिग्नल प्रोसेसिंग, साउंड इंजीनियरिंग और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग जैसी तकनीक का उपयोग करते हुए स्वयं किया है। इस मॉडल के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि इस एआई वॉइस को बिना किसी बाहरी एजेंसी की सहायता के पूरी तरह से इन-हाउस विकसित किया गया है और लैंग्वेज लर्निंग के लिए इसे हार्वर्ड के मशीन लर्निंग मॉडल नेपच्यून 3.0 पर विकसित किया गया है। यह एआई वॉइस अपने हिंदी वॉइस मॉड्यूलेशन और टोनालिटी में अपने नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग की फाइन ट्यूनिंग की वजह से न केवल हिंदी के कठिन से कठिन शब्द का सटीक उच्चारण करने में समर्थ है, बल्कि अंग्रेजी के शब्दों को भी भारतीय स्वर-शैली में प्रोसेस करता है, जिससे बिना किसी रोबोटिक टोन के यह एक स्वाभाविक आवाज सी प्रतीत होता है और इस लिहाज से यह सेल ही नहीं, बल्कि देश में फिलहाल हिंदी का सबसे उन्नत एआई वॉइस मॉड्यूल है। उन्होंने आगे बताया कि इसी कड़ी में एक अन्य पुरुष एआई वॉइस, जिसका नाम उत्कर्ष रखा गया है, वो भी अपने विकास के आखिरी चरणों में है और उनकी योजना बोकारो दर्पण के लिए ऐसे 5 एआई न्यूज एंकर विकसित करने की है। बोकारो दर्पण बीएसएल के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित संयंत्र और बोकारो नगर के दिन भर की प्रमुख घटनाओं पर आधारित दैनिक वीडियो न्यूज पत्रिका है, जिसका प्रसारण यूट्यूब सहित शहर के सारे केबल ऑपरेटरों द्वारा किया जाता है। अपने दो दिवसीय दौरे के क्रम में सेल अध्यक्ष अमरेन्दु प्रकाश ने बीएसएल में एसएमएस-2 की डिसल्फराइजेशन यूनिट, सेक्टर- 09 में स्थापित प्रज्ञान केंद्र तथा बीएसएल के सीएसआर एवं डालमिया सीमेंट द्वारा सेक्टर-1 में संयुक्त रूप से संचालित दीक्षा केंद्र का भी उद्घाटन किया और वहां की सुविधाओं की जानकारी ली।

छोटी उम्र, बड़े कारनामे

संवाददाता

बोकारो : बोकारो में शैक्षणिक और नवोन्मेषी प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। इसी क्रम में इन दिनों छोटी उम्र में बड़े कारनामे करने वाले कुछ विद्यार्थियों का आविष्कार चर्चा का विषय बना है। डीपीएस बोकारो की सातवीं कक्षा की छात्रा आयुषी ने बायोमेट्रिक तकनीक आधारित एक सैनिटरी पैड बॉक्स का इजाद किया है। इसकी मदद से स्कूली छात्राएं बिना किसी के सामने कुछ बोले और बगैर किसी की मदद के अपनी जरूरत पूरी कर सकती हैं, वह भी महज उंगलियों के निशान मात्र से। इस नवोन्मेषी आविष्कार के लिए आयुषी का चयन भारत सरकार की महत्वाकांक्षी इंस्पायर अवार्ड मानक योजना 2022-23 में किया गया है। बाल अधिकार कांग्रेस (सीआरसी) की राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धा में भी उसका यह प्रोजेक्ट चयनित किया जा चुका है। आयुषी ने बताया कि फिंगरप्रिंट सेंसर वाले सैनिटरी पैड बॉक्स में 100 पैड रखने की क्षमता है। बॉक्स दो हिस्सों में बंटा है। एक हिस्से से पैड निकाला जाता है और दूसरे भाग में पैड डोनेशन चैंबर बना है।

इधर, डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर- 4 में आठवीं कक्षा के छात्र ज्ञान ने रेफ्रिजरेटर और आरओ वाटर प्यूरीफायर के खराब हो चुके सामान का इस्तेमाल करते हुए ऑटोमैटेड ड्रिप इरिगेशन सिस्टम तैयार किया है। उसकी इस काबिलियत ने ही उसे राष्ट्रीय बाल अधिकार कांग्रेस (सीआरसी) के नेशनल लेवल में जाने का रास्ता बना डाला है। हरेक 10 घंटे पर स्वतः सिंचाई होती है और बंद भी हो जाती है।

अब धुंध में बोकारो

एक हफ्ते में ही 7 डिग्री तक लुढ़क गया पारा

मिचौंग का असर... किसानों की कटी फसल भींगकर नष्ट, ठंड भी बढ़ी

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : मिचौंग चक्रवाती तूफान ने बोकारो, चास सहित पूरे झारखंड में खूब तबाही मचाई। आंधी-तूफान तो नहीं, लेकिन बारिश के रूप में मिचौंग का काफी खराब असर रहा। एक तरफ जहां ठंड बढ़ गई, वहीं, दूसरी ओर किसानों को सबसे ज्यादा तबाही हुई। उनकी सालभर की मेहनत पर पानी फिर गया।

खेत में कटी हुई फसल पाने पड़ने से बर्बाद हो गई। मिचौंग चक्रवाती तूफान भले ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा की तरफ चला गया, लेकिन उसका असर भी झारखंड में कम नहीं दिखा। मंगलवार से लेकर गुरुवार तक लगातार रुक-रुककर बारिश होती रही। इस कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित हुआ। दो दिन में बोकारो में 38.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।बारिश का असर यह रहा कि ठंड एक ही हफ्ते में काफी ज्यादा बढ़ गई। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में 7 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आ गई। पिछले शनिवार को जहां अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 29 और 19 डिग्री सेल्सियस था, वहीं इस शनिवार को यह घटकर 25 और 12 पर पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में और कनकनी बढ़ सकती है। वहीं, शहर से गांव तक का इलाका घने कोहरे में डूब चुका है। विजिबिलिटी भी प्रभावित हो चुकी है।

इधर, तूफानी पानी मिचौंग ने तुपकाडीह के किसानों को मायूस कर दिया है। खेती की सारी मेहनत बेकार साबित हो गई। वैसे धान जो खेत में हैं या फिर काटकर खलिहान में रखा गया है दोनों में अब चावल के बजाय खंखड़ी या काला चावल निकलेगा। खुटरी मानगो कनारी और उत्तर विस्थापित क्षेत्र के किसान बताते हैं कि सब्जियों को भी काफी क्षति हुई।

डीवीसी की बनी नाली पर पंचायतों की राशि की जा रही खर्च

कुमार संजय

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल स्थित गोविंदपुर की कुछ पंचायतों की आवासीय कॉलोनी में डीवीसी की निर्मित नाली पर ही 15वें वित्त मद की पंचायत की राशि को खर्च की जा रही है। डीवीसी की आवासीय कॉलोनी में आंशिक रुप से जर्जर एवं क्षतिग्रस्त नाली पर पंचायतों के संवेदक कुछ ईंटों को जोड़कर प्लास्टर कर नाली निर्माण का बोर्ड लगा दे रहे हैं। पंचायत मद से किये जा रहे डीवीसी की जमीन पर नाली मरम्मत एवं निर्माण के कार्य में डीवीसी के स्थानीय प्रबंधक से एनओसी भी नहीं लिया जा रहा है। डीवीसी के एनओसी मुख्यालय कोलकाता से दिये जाने का प्रावधान है। गोविंदपुर के सी, डी एवं एफ पंचायत में ऐसी कई नालियों की मरम्मत की गयी है। इसके अलावा कई डस्टबिनों का भी निर्माण किया गया है। बेरमो प्रखंड के जेई अजीत कुमार साह ने पूछे जाने पर कहा कि पंचायतों में डीवीसी की जमीन पर जो भी नाली से संबंधित कार्य किये जा रहे हैं, सभी मरम्मत के ही कार्य हैं। कहा कि डीवीसी प्रबंधन से एनओसी को लेकर पत्र दिया जाता है, एक पखवाड़े तक एनओसी नहीं मिलने पर कार्य आरंभ कर दिया जाता है। गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह का कहना था कि उनकी पंचायत में डीवीसी की क्षतिग्रस्त नाली

की मरम्मत का ही काम करवाया जा रहा है।

पहल प्रत्येक तिमाही पर मिलेगा पुरस्कार, प्रभारी डीआई अतनु ने की शुरुआत

बोकारो स्टील में विशिष्ट सेवा देनेवाले अफसरों को अब दिया जाएगा एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र में प्रत्येक तिमाही (क्वार्टर) के दौरान विशिष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड स्कीम की शुरुआत की गई है। इसके द्वितीय संस्करण का पुरस्कार वितरण समारोह निदेशक प्रभारी राउरकेला स्टील प्लांट, अतिरिक्त प्रभार बी.एस.एल. अतनु भौमिक की उपस्थिति में बोकारो निवास में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बी.एस.एल. के अधिशासी निदेशक, सम्बंधित विभागों के मुख्य महाप्रबंधक सहित अन्य वरीय अधिकारी उपस्थिति थे। समारोह में बी.एस.एल. और झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस के कुल 09 अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया। द्वितीय तिमाही के एग्जीक्यूटिव ऑफ द क्वार्टर अवार्ड प्राप्त करने वालों में बीएसएल के रूद्र नारायण प्रधान, उप महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसी), राजीव गुप्ता, उप महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा), कैरोल शर्मा, सहायक महाप्रबंधक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं), अनुराग, सहायक महाप्रबंधक (आरएमपी), भानु प्रताप सिंह राणा , वरीय प्रबंधक (ईएमडी), वेंकटेश्वर कुमार, वरीय प्रबंधक (कैपिटल रिपेयर-मैकेनिकल), सुशील कुमार, प्रबंधक (आरजीबीएस), ऋषभ माहेश्वरी, प्रबंधक (भंडार) गुआ ओर माइंस के उप प्रबंधक सतेन्द्र गौतम शामिल थे। निदेशक प्रभारी श्री भौमिक ने सभी पुरस्कार विजेताओं तथा उनके परिवार के सदस्यों को इस अवार्ड के लिए चुने जाने पर बधाई दी। अधिशासी निदेशकों ने भी इस पुरस्कार योजना के उद्देश्यों पर चर्चा करते हुए सभी विजेताओं को बधाई दी।

हफ्ते की हलचल

तबादले के बाद डीजीएम टीटी दास को दी गई विदाई

चंद्रपुरा : दामोदर घाटी निगम, चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के उप महाप्रबंधक (प्रशासन) टीटी दास का तबादला मीजिया थर्मल पावर स्टेशन में होने के बाद उन्हें मानव संसाधन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भावभीनी विदाई दी। मौके पर श्री दास ने कहा कि डीवीसी में सकारात्मक कार्य करने के लिए वह हमेशा पहल करते रहेंगे। उन्होंने इसी तरह से कार्य करने के लिए उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को भी प्रेरित किया। इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के प्रबंधक ए के चंद्रशेखर, रविंद्र कुमार, परविंद कुमार, बादल महली, पूनम पांडेय, तपन कुमार दास, उमेश कुमार शर्मा, जिला पार्षद सदस्य नीतू सिंह आदि ने श्री दास के कार्यकाल में हुए कार्यों की सराहना की और अपेक्षा व्यक्त की कि वे मीजिया में भी अपनी कार्य कुशलता का मजबूती से परिचय देंगे। समारोह का संचालन अक्षय कुमार ने किया। मौके पर समारोह में रामकुमार दुबे, विनोद कुमार, रूपचंद सोरेन, जयंतो सरकार, लक्ष्मण प्रसाद, मोहम्मद साकिब रजा, अजीत कुमार देव, कौशलेंद्र कुमार, विपद मांझी, अमन टोपनो आदि मौजूद रहे।

परमहंस लक्ष्मीनाथ गोसाईं स्मृति पर्व समारोह आयोजित

बोकारो : हर वर्ष की भांति चास के भोजपुर कॉलोनी स्थित बाबाजी कुटी आश्रम में परमहंस लक्ष्मीनाथ गोसाईं स्मृति पर्व समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बोकारो के पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सहित विशिष्ट अतिथियों ने बाबाजी स्मारिका का भी विमोचन किया, जिसमें परमहंस लक्ष्मीनाथ गोसाईं (बाबाजी) की जीवनी का विस्तृत उल्लेख किया गया है। कार्यक्रम में संस्थापक सदस्य चन्द्रकांत झा ने बाबाजी के बारे में अपने विचार रखे। साथ ही पूजन, हवन, कवि-सम्मेलन, शास्त्रीय संगीत गायन, महाप्रसाद वितरण, रात्रि जागरण आदि कार्यक्रम आयोजित किये गए। कार्यक्रम में परमहंस लक्ष्मीनाथ भारती मंडन समिति के रंजीत कुमार झा कन्हैया, अमरजीत चौधरी, देव कुमार चौधरी, महाकांत झा, विकास कुमार चौधरी, अभिषेक कुमार, श्रवण कुमार झा आदि उपस्थित थे।

ईमानदारी जिंदा है... ट्रेन में छूटा व्यवसायी का बैग सौंपा

बोकारो : आज के समय में जहां लोग धोखा और छलावे का एक भी मौका नहीं चूकते, वहीं कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनकी बदौलत ईमानदारी आज भी जिंदा है। ट्रेन में छूट गए चास निवासी व्यवसायी सह समाजसेवी सुरेश बोथरा का बैग भदोही निवासी मिथिलेश मिश्रा ने सकुशल सौंप दिया। श्री बोथरा ने कहा कि उनके परिजन शिप्रा एक्सप्रेस ट्रेन से कोलकाता से बोकारो लौट रहे थे। इस क्रम में उनका बैग ऊपर के बर्थ में ही छूट गया। उस बैग में 6500 रुपए, पेन ड्राइव और जरूरी कागजात सहित अन्य चीजें रखी थीं। संयोगवश, भदोही निवासी मिथिलेश मिश्रा वह अपने पास सुरक्षित रख लिया। उसमें रखे कागजात की मदद से उनके फोन नंबर पर संपर्क किया और बोकारो आकर श्री बोथरा का बैग उन्हें सुपुर्द किया। श्री बोथरा ने श्री मिश्रा के इस सत्कार्य की सराहना करते हुए उनके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त् की। कहा कि ऐसे लोगों की बदौलत ही ईमानदारी जिंदा है।

गोगामेड़ी की हत्या राजनीतिक साजिश : धर्मवीर

बोकारो : श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना झारखंड प्रदेश एवं बोकारो जिला के तत्वावधान में सभी क्षत्रिय संगठनों ने आक्रोश रैली, प्रतिकार सभा, मशाल जुलूस एवं कैंडल मार्च का आयोजन किया। लगातार तीन दिन तक आंदोलन चला। जुलूस बोकारो के बाबू कुंवर सिंह स्मारक स्थल से पूरे सिटी सेंटर नगर का भ्रमण करते हुए आक्रोश सभा में परिणत हुआ। कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना झारखंड प्रदेश अध्यक्ष धर्मवीर सिंह ने कहा कि सुखदेव सिंह गोगामेडी की हत्या एक राजनीतिक साजिश है एवं हत्या कांड में शामिल सभी लोगों को बेनकाब किया जाए। राजस्थान सरकार तत्काल प्रभाव से योगी मॉडल के आधार पर हत्यारों को गोली मारे तथा इस हत्याकांड में शामिल सभी लोगों के घरों पर बुलडोजर चलाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता मधुकर सिंह ने की एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश उपाध्यक्ष जसवीर सिंह ने किया। इस मौके पर पर कई लोग मौजूद रहे।

सफेद लिबास में लिपटा कालाधन

आयकर का सबसे बड़ा छापा... सांसद धीरज साहू की बेहिसाब नकदी से झारखंड सुर्खियों में

आलमारियों में ठूंस-ठूंस कर भरे मिले नोटों के बंडल

छापेमारी के दौरान एक-दो नहीं, लगभग 10 आलमारियों में नोटों के बंडल ठूंस-ठूंस कर मिले। इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुई और चर्चा का विषय बनी रही। खबर है कि बोलांगीर जिले में कंपनी के परिसरों में रखी लगभग आठ-10 आलमारियों से 230 करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए, बाकी रकम टिटलागढ़, संबलपुर और रांची के परिसरों से जब्त की गई। सूत्र बताते हैं कि अधिकारियों को शराब वितरकों, विक्रेताओं और व्यापारिक समूहों द्वारा भारी मात्रा में अवैध बिक्री किए जाने और नकदी भेजे जाने की कार्रवाई योग्य खुफिया जानकारी मिलने के बाद छापेमारी की गई। दूसरी तरफ, शनिवार को बलांगीर में कंपनी के मैनेजर के ठिकाने से 20 बोरे में भी भर-भरकर नोट जब्त किए गए।

विशेष संवाददाता

रांची। झारखंड के नेताओं और अधिकारियों के भ्रष्टाचार जगजाहिर हैं। जनता की गाढ़ी कमाई को नेताओं ने कैसे अपने सफेद लिबास की आड़ में कालाधन जमा किया, इसकी एक और बानगी सामने आई है। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज साहु के ठिकानों से इतने नकद रुपए बरामद हुए कि मशीन का धीरज भी जवाब दे जा रहा।

समाचार लिखे जाने तक लगभग 300 करोड़ रुपए जब्त किए जा चुके थे। यह देश के इतिहास में आयकर का सबसे बड़ा छापा माना जा रहा है। लिहाजा, झारखंड एक बार फिर सुर्खियों में है। राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इतनी भारी मात्रा में कैश की जब्ती चर्चा का विषय बनी है।

ओडिशा स्थित शराब बनाने वाली कंपनियों के एक समूह और उससे जुड़े प्रतिष्ठानों के खिलाफ आयकर विभाग की छापेमारी के बाद मिली बेहिसाब नकदी किसी एक अभियान में बरामद हुआ सबसे अधिक कालाधन माना जा रहा है।

सूत्रों ने बताया कि यह किसी एक समूह और उससे जुड़ी संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई के तहत देश में किसी एजेंसी द्वारा की गई कार्रवाई के साथ जब्त की गई अब तक की सबसे अधिक नकद राशि है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बौध डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड और अन्य के खिलाफ छापे के बाद छह दिसंबर को शुरू हुई कार्रवाई के बाद आयकर विभाग ने नोटों की गिनती के लिए लगभग 40 बड़ी एवं छोटी मशीनें लगाई और गिनती की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए विभाग और बैंक के और कर्मचारियों को लाया गया। जब्त नकदी ओडिशा में सरकारी बैंक शाखाओं में जमा की गई। इनमें अधिकतर नोट 500 रुपये के हैं। कंपनी के अधिकारियों ने छापेमारी के डर से 500 रुपए के नोट को फाड़कर फेंकना शुरू कर दिया था, जिसे इनकम टैक्स की टीम ने बरामद किया।

लूट व झूठ की दुकान ही कांग्रेस का है असल चेहरा : बिरंची

बोकारो : कांग्रेसी सांसद धीरज प्रसाद साहु के ठिकानों से आयकर की बेहिसाब छापेमारी को लेकर झारखंड विधानसभा में विरोधी दल के मुख्य सचेतक सह बोकारो विधायक बिरंची नारायण ने चिंता जताई है। उन्होंने इसे जनता की पैसे की लूट का परिणाम बताया है। शनिवार को एक प्रेसवार्ता में सांसद साहु के ठिकानों से 200 करोड़ रुपये अधिक की बेहिसाब नकदी बरामद होने का जिक्र करते हुए कहा कि लूट व झूठ की दुकान ही कांग्रेस का असली चेहरा है। गरीबों को लूटकर पैसा जमा करने वालो से पाई-पाई निकलवाने की मोदी की गारंटी है। देश की जनता कहने लगी है, कांग्रेस मतलब करप्शन की दुकान यह इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इनको मोहब्बत पैसों से है, इनको मोहब्बत सिर्फ लूट से है। इसलिए, इस मोहब्बत की दुकान में नोटों का कितना बड़ा ढेर मिला है, यह पूरे देश की जनता ने देखा है। कांग्रेस का काम लूट, झूठ और फूट डालना ही है। प्रेसवार्ता में रोहित लाल सिंह, शशिभूषण ओझा मुकुल, जयदेव राय, संजय त्यागी, कमलेश राय, अशोक कुमार पप्पू, इंद्रकुमार झा, माथुर मंडल, महेंद्र राय, विनय किशोर, अशोक शर्मा, अभय कुमार गोलू आदि मौजूद रहे।

संपूर्णानंद भारती को मिली जेजेए की कमान

कहा- पत्रकारहित में संगठन तत्पर, दिलाएंगे हक

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन (जेजेए) की कमान राज्य के वरिष्ठ पत्रकार एवं हिन्दी दैनिक 'राष्ट्रीय सागर' के प्रधान संपादक संपूर्णानंद भारती को मिली है। झारखंड प्रदेश प्रभारी चंदन मिश्र की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पांडेय द्वारा नई प्रदेश कमेटी के गठन की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संदर्भ में संगठन द्वारा एक पत्र झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बक्शी को प्रेषित किया गया है। कहा गया है कि संगठन की नई कमेटी तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार ग्रहण करेगी।

उक्त सूचना झारखंड सरकार के रांची स्थित सभी विभागीय सचिव एवं जिला मुख्यालयों के लिए प्रेषित की जा रही है। एसोसिएशन की प्रदेश कमेटी में अध्यक्ष संपूर्णानंद भारती, महासचिव अभय लाभ, उपाध्यक्ष नीरभ किशोर, शंभुनाथ श्रवण व एसएम खुर्शीद, संगठन सचिव मनोज स्वर्णकार, सचिव संजय रंजन, अजीत सिन्हा, सुरेंद्र गुप्ता, राजीव मिश्रा, अरविंद ठाकुर, संजय मिश्रा, अमित बरियार, सुरेन्द्र मार्डी व जावेद, संयुक्त सचिव सुमेधा चौधरी, नीला सेनगुप्ता, रीमा सिन्हा, आसिफ अंसारी, कौशल ओझा, अजीत पाठक सोशल मीडिया प्रभारी रविंद्र कुमार व रवि मिश्रा, प्रवक्ता, संदीप बर्नवाल तथा कोषाध्यक्ष रंजीत सिंह बनाए गए हैं। अध्यक्ष बनाए जाने पर श्री भारती ने राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि जेजेए पत्रकारों के हित में सदैव तत्पर है। पत्रकारों को उनका अधिकार दिलाने में वह अपने स्तर से कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने पत्रकारों से सहयोग की अपेक्षा भी व्यक्त की है।

वरीयता सूची जारी, शिक्षकों को प्रोन्नति की आस

संवाददाता

बोकारो : बोकारो जिले में शिक्षकों की प्रोन्नति के लिए विगत दिनों जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय द्वारा वरीयता सूची प्रकाशित की है। इस सूची से ग्रेड 3 के लगभग 450 शिक्षकों, स्नातक प्रशिक्षित 250 एवं प्रधानाध्यापक के रिक्त पदों पर शिक्षकों को प्रोन्नति मिल सकेगी। जबकि, ये प्रोन्नतियां लंबे समय से लंबित रही हैं। बोकारो जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला कार्यकारी अध्यक्ष श्रवण कुमार झा, बिनोद कुमार, अनिल कुमार सिंह, महादेव सिंह चौधरी आदि ने संयुक्त रूप से कहा कि कार्यालय द्वारा जारी शिक्षकों की वरीयता सूची शिक्षा सचिव द्वारा दिए गए निदेशों के अनुरूप ही है। इसलिए, अब बिना विलंब किए जिला शिक्षा स्थापना समिति इस सूची के आलोक में शिक्षकों की प्रोन्नति को स्वीकृति दे। वरीयता सूची जारी होने के बाद शिक्षकों की में प्रोन्नति की आस बलवती हो चुकी है। प्रोन्नति की प्रतीक्षा करते करते कई शिक्षक सेवानिवृत्त हो गए और कई सेवानिवृत्ति के कगार पर खड़े हैं। इसलिए उपायुक्त बोकारो से अपेक्षा है कि जनवरी 2024 तक सभी प्रक्रियाओं को पूरा करते हुए शिक्षकों को प्रोन्नति आदेश जारी कर दिया जाए। यह जानकारी बोकारो जिला प्राथमिक शिक्षक संघ के कार्यकारी अध्यक्ष श्रवण कुमार झा ने दी।

उच्चैठ कालिदास राजकीय महोत्सव की रही धूम, कई कार्यक्रम आयोजित

मिथिला डायरी

मधुबनी : बेनीपट्टी प्रखंड क्षेत्र के उच्चैठ स्थित कालिदास विद्यापति विज्ञान महाविद्यालय परिसर में दो दिवसीय उच्चैठ कालिदास राजकीय महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। यहां साहित्यिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की खूब धूम रही। इस अवसर पर विशिष्ट विद्वानों, गणमान्य लोगों सहित राजनेताओं व अतिथियों के समक्ष जिला प्रशासन के शीर्ष पदाधिकारियों की खासे भागीदारी रही। मौके पर जल संसाधन सह सूचना जनसंपर्क मंत्री संजय कुमार झा, क्षेत्रीय विधायक व पूर्व मंत्री विनोद नारायण झा व अन्य जनप्रतिनिधि ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर आगत अतिथियों ने कालिदास के व्यक्तित्व कृतित्व व विद्वता पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। पूर्व मंत्री सह विधायक विनोद नारायण झा ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि कालिदास मिथिला के उच्चैठ के ही थे, इसमें कहीं भी आशंका की गुंजाइश नहीं है। वे आज भी मिथिला के घर-घर में जीवंत हैं। उन्होने कालिदास अकादमी की स्थापना पर भी बल दिया। इस संगोष्ठी में सीएम कॉलेज के संजीत झा सरस, डॉ महेंद्र नारायण राम, तारानंद वियोगी, वैद्यनाथ मिश्र, डॉ. रंगनाथ दिवाकर आदि ने अपनी बातें रखी। वहीं, कवि सम्मेलन में ललित कुमार ठाकुर व साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त साहित्यकार दीप नारायण विद्यार्थी के संचालन में कवियों ने अपनी रचनाओं पर खूब तालियां बटोरीं। तीसरे सत्र में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

भावनात्मक संतुलन का बिगड़ना ही समस्त बाधाओं का है कारण

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

धर्मादर्थः प्रभवति धर्मात्प्रभवते सुखम।
धर्मेण लभते सर्वं धर्मसारमिदं जगत्।।

अर्थात्, धर्म धन लाता है, धर्म सुख लाता है, धर्म सब लाता है। वास्तव में संसार का सार धर्म ही है। धर्म धन का कारण है, धर्म सुख का कारण है, धर्म सबका कारण है। वास्तव में संसार का सार धर्म ही है।

वाल्मीकि रामायण में आया (अरण्यकाण्ड सर्ग- 9, श्लोक संख्या- 31) यह श्लोक मुझे अत्यंत प्रिय है। इस श्लोक का मैं बार-बार मंथन करता रहता हूं और जब भी कोई दुविधा या संशय की स्थिति आती है तो इस श्लोक को पूरे भाव के साथ जब मैं दोहराता हूं तो मुझे दुविधा में सही मार्ग मिल जाता है।

यह श्लोक जीवन का धर्म है। वह सही मार्ग, जिस पर चलने से जीवन के चतुर वर्ग- धर्म, अर्थ, काम और मुक्ति साथ-साथ प्राप्त होते रहते हैं।

मनुष्य अपने जीवन में मनोकामनाओं का भण्डार भरता रहता है। कुछ लोग इसे तृष्णा कहते हैं, कुछ लोग इसे लक्ष्य कहते हैं, कुछ लोग इसे विचार कहते हैं, कुछ लोग कामना कहते हैं। इस भण्डार ने मनुष्य के व्यक्तित्व को इतना अधिक उलझा दिया है कि वह अपने जीवन में सही मार्ग का चयन ही नहीं कर पाता है। रुक कर सोचिए, आप अपनी शक्ति से चल रहे हैं या कोई और आपको दौड़ा रहा है, भाग रहा है? कई बार तो मैं मनुष्यों के विचार सुन- सुनकर आश्चर्य चकित हो जाता हूं, जब वे कहते हैं कि मेरे पास समय कम है और काम बहुत है। सांस लेने की भी फुर्सत नहीं है। काम का इतना अधिक टेंशन है। मुझे कितना कुछ करना पड़ता है। मैं नहीं करूंगा तो कौन करेगा? सब जिम्मेदारियां मेरे ऊपर हैं।

जब मैं इन प्रश्नों को सुनता हूं तो उस समय एक प्रति प्रश्न आप सबसे करने का मन करता है कि इन सब में आप कहां हो? आपकी प्राथमिकता क्या है? जब तक आप अपने जीवन में अपनी प्राथमिकता स्वयं को नहीं बनाते, जब आप स्वयं अपने ऊपर विश्वास नहीं करते हो तो आप अपने जीवन में कार्य कैसे पूरे करोगे? यदि आपने अपने स्वयं के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक स्वास्थ्य का ध्यान नहीं रखा तो क्या आप अपने जीवन में अवसाद, डिप्रेशन की स्थिति में नहीं चले जाओगे? आप स्वयं इस जगत में केन्द्र बिन्दु हो और केन्द्र बिन्दु के चारों ओर सभी भ्रमण करते हैं। आपका घर, परिवार, समाज इस सब के लिए आप केन्द्र बिन्दु हो। आपका अस्तित्व होना सबसे प्रमुख है। यदि आप स्वयं अस्तित्व में नहीं हुए तो क्या होगा? ऐसी कल्पना भी आपको भयावह लगती है। पर विचार तो करना ही पड़ेगा।

मेरे पास नित्य प्रति लोग मिलने आते रहते हैं और वह अपनी कामनाओं की बात करते हैं। कोई भी व्यक्ति अपने स्वयं के बारे में बात नहीं करता है। अपने मानसिक और बौद्धिक स्वास्थ्य के बारे में बात नहीं करता। स्वास्थ्य का अर्थ है- आरोग्य। आरोग्य से आप क्या अर्थ समझते हैं? शरीर हृष्ट-पुष्ट, तंदुरुस्त रहे या फिर आप अपने आरोग्य की यह परिभाषा बना रखी है कि शरीर की लंबाई, चौड़ाई, नाक-नक्श की सुंदरता या और कोई मानदण्ड?

मनुष्य जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है- व्यक्तित्व। किसी भी व्यक्ति की शोभा सौन्दर्यवान होने से नहीं होती है। जीवन में एक सौन्दर्य स्थाई है, वह है आपके व्यक्तित्व का ओज। आपका ग्लो। शारीरिक दृष्टि से आप कितने ही सुन्दर हों, उम्र के पड़ाव में सब चीज ढ़ल ही जाती है। यह सृष्टि का नियम है और यह सृष्टि ईश्वर के नियम से चलती है। न तो आप उम्र का बढ़ना रोक सकते हैं और न हीं अपने आपको एक स्थान पर, एक स्थिति में स्थिर कर सकते हैं।

क्या है वह, जो आपके व्यक्तित्व को विशेष ओज देता है, जिससे आप हर स्थिति में सुन्दर, जवान बने रहते हैं? यह है आपका आन्तरिक व्यक्तित्व और चारित्रिक बल और इसके लिए बहुत सरल कार्य है, जिन्हें आप अपने अन्तर्मन में निरन्तर और निरन्तर भर सकते हैं।

क्या आप प्रेम से भरे हुए हैं? क्या आप स्वाभिमानी हैं? क्या आपके व्यवहार में सरलता है? क्या आपके हृदय में करुणा और दया का भाव है? क्या आप जगत में मित्रता का भाव रखते हैं? क्या आपमें ईर्ष्या-द्वेष को हटाने की क्षमता है? क्या आप अपने जीवन को ईश्वर द्वारा दिया गया श्रेष्ठ वरदान समझते हैं?

निश्चित रूप से प्रभु ने यह जीवन वरदान रूप में ही दिया है। इस वरदान रूपी बीज को पुष्पित-पल्लवित, फलयुक्त करना आपका कर्तव्य है। जब आप अपनी रक्षा करते हैं, आप अपना ध्यान रखते हैं, अपने मन की भावनाओं को नियंत्रित रखते हैं तो आप ईश्वर द्वारा दिए गए जीवन उपहार को सही दिशा की ओर ले जा रहे हैं।

क्या आपने कभी अपने स्वयं के भले और स्वयं की खुशी के लिए विचार किया है? नहीं विचार किया है तो आज से ही प्रारम्भ कर दीजिए। तब आपके भीतर अपने आप अमृत का कुण्ड फूट पड़ेगा और आप प्रेम रस से आपूरित हो जाएंगे। तब आपको जीवन की छोटी-मोटी बातों की चिंता नहीं सताएगी। शारीरिक स्वास्थ्य महत्वपूर्ण है, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण है- अपना भावनात्मक संतुलन बनाए रखना। जीवन में सारी बाधाओं का कारण भावनात्मक संतुलन का बिगड़ना ही है। जब आप अपने प्रति दयालु हो जाएंगे तो आपके भीतर एक सकारात्मक इमोशन प्रवाहित होंगे और यह सकारात्मक इमोशन ही आपको हमेशा पूर्णता और आनन्द का भाव प्रदान कर सकते हैं।

मैंने प्रारंभ में जो धर्म का श्लोक लिखा है, वह एक विशेष प्रार्थना है, जो आपको अपने आपसे कहनी है कि मैं सदैव सही मार्ग पर गतिशील रहूं। यही ज्ञान है, यही चेतना है, यही भावनात्मक संतुलन है। अपना संतुलन बनाए रखने की जिम्मेदारी सबसे पहले आपकी ही है। गुरु का आशीर्वाद और ईश्वरीय आस्था आपके भावों को बलवती करने हेतु है। यही आत्म भाव, यही ज्ञान योग धर्म का आधार है। अपने आत्मभाव की रक्षा करो...!

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

ठंड में जरूर खाएं बथुआ का साग, जानें इसके फायदे

बथुए में लोहा, पारा, सोना और क्षार पाया जाता है। इसका जितना अधिक से अधिक सेवन किया जाए, उतने ही आप निरोग रह सकेंगे। कई प्रकार की बीमारियों में बथुआ का साग खाने से लाभ होता है, आइए जानते हैं-

- कब्ज : बथुआ आमाशय को ताकत देता है, कब्ज दूर करता है, बथुए की सब्जी दस्तावर होती है। कब्ज वालों को बथुए की सब्जी नित्य खाना चाहिए। कुछ सप्ताह नित्य बथुए की सब्जी खाने से सदा रहने वाला कब्ज दूर हो जाता है। शरीर में ताकत आती है और स्फूर्ति बनी रहती है।

- पेट के रोग : बथुए का रस, उबाला हुआ पानी पीएं। इससे पेट के हर प्रकार के रोग यकृत, तिल्ली, अजीर्ण, गैस, कृमि, दर्द, अर्श पथरी ठीक हो जाते हैं।

- पथरी हो तो एक गिलास कच्चे बथुए के रस में शकर मिलाकर नित्य सेवन करें तो पथरी टूटकर बाहर निकल आएगी।

- बालों में जुएं, लीखें हों तो बथुए को उबालकर इसके पानी से सिर धोएं तो जुएं मर जाएगीं तथा बाल साफ हो जाएंगे।

- मासिक धर्म रुका हुआ हो तो दो चम्मच बथुए के बीज एक गिलास पानी में उबालें। आधा रहने पर छानकर पी जाएं। मासिक धर्म खुलकर साफ आएगा। आंखों में सूजन, लाली हो तो प्रतिदिन बथुए की सब्जी खाएं।

- पेशाब रोग : बथुआ आधा किलो, पानी तीन गिलास, दोनों को उबालें और फिर पानी छान लें। बथुए को निचोड़कर पानी निकालकर यह भी छाने हुए पानी में मिला लें। स्वाद के लिए नीबू, जीरा, जरा सी काली मिर्च और सेंधा नमक लें और पी जाएं। इस प्रकार तैयार किया हुआ पानी दिन में तीन बार लें। इससे पेशाब में जलन, पेशाब कर चुकने के बाद होने वाला दर्द, टीस उठना ठीक हो जाता है। मूत्राशय, गुर्दा और पेशाब के रोगों में बथुए का साग लाभदायक है। पेशाब रुक-रुककर आता हो, कतरा-कतरा सा आता हो तो इसका रस पीने से पेशाब खुल कर आता है।

- कृमि रोग : कच्चे बथुए का रस एक कप में स्वादानुसार मिलाकर एक बार नित्य पीते रहने से कृमि मर जाते हैं। बथुए के बीज एक चम्मच पिसे हुए शहद में मिलाकर चाटने से भी कृमि मर जाते हैं तथा रक्तपित्त ठीक हो जाता है।

- सफेद दाग, दाद, खुजली, फोड़े आदि चर्म रोगों में नित्य बथुआ उबालकर, निचोड़कर इसका रस पिएं तथा सब्जी खाएं। बथुए के उबले हुए पानी से चर्म को धोएं। बथुए के कच्चे पत्ते पीसकर निचोड़कर रस निकाल लें। दो कप रस में आधा कप तिल का तेल मिलाकर मंद-मंद आग पर गर्म करें। जब रस जलकर पानी ही रह जाए तो छानकर शीशी में भर लें तथा चर्म रोगों पर नित्य लगाएं। लंबे समय तक लगाते रहें, लाभ होगा।

- फोड़े, फुन्सी, सूजन पर बथुए को कूटकर सौंठ और नमक मिलाकर गीले कपड़े में बांधकर कपड़े पर गीली मिट्टी लगाकर आग में सेकें। सिकने पर गर्म-गर्म बांधें। फोड़ा बैठ जाएगा या पककर शीघ्र फूट जाएगा।

- प्रस्तुति : आरके झा

ईएसएल वेदांता समाजोत्थान को कटिबद्ध : आशीष रंजन

मानव सेवा आश्रम में अनाथ व दिव्यांग बच्चों में बांटे कई सामान

संवाददाता

बोकारो : बोकारो के औद्योगिक विकास में नया आयाम जोड़ रही ईएसएल वेदांता लगातार अपने निगमित सामाजिक दायित्व का निर्वहन कर रही है। इसी क्रम में कंपनी के अधिकारियों व कर्मियों की एक टीम ने सेक्टर- 5 स्थित मानव सेवा आश्रम में रहने वाले विशेष रूप से सक्षम (दिव्यांग) एवं लाचार बच्चों के लिए कई उपयोगी सामान का वितरण किया। दिव्यांग एवं अनाथ बच्चों की शिक्षा व उनके पुनर्वास में विगत दो दशक से मदद कर रहे मानव सेवा आश्रम में सूखा राशन, स्वच्छता उत्पाद, खाने-पीने के सामान, स्टेशनरी, टॉयलेटरीज और छात्रों और निवासियों को कुछ महीनों से अधिक उपयोग के लिए जरूरत के अन्य सामान बांटे गए।

इस काम में कंपनी के सहयोगी एएएस विद्यालय, सीड्स इम्पैक्ट, सिटीजन्स फाउंडेशन, दृष्टि फाउंडेशन, सार्थक सस्टेनेबल डेवलपमेंट फाउंडेशन और अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन आदि के प्रतिनिधियों की भी अहम भूमिका रही।

कंपनी के सीएसआर प्रमुख आशीष रंजन ने कहा कि ईएसएल स्टील लिमिटेड और उसके सहयोगी एनजीओ ने हमेशा वंचित और हाशिए पर रहने वाले व्यक्तियों की तलाश और उत्थान करने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने को सुनिश्चित करने के लिए अटूट प्रतिबद्धता दिखाई है। ईएसएल स्टील लिमिटेड, एक वेदांता समूह की कंपनी, भारत की एक अग्रणी एकीकृत इस्पात उत्पादक है, जो समाज और समुदाय के लाभ और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए प्रयासरत रहती है। सामाजिक और सामुदायिक विकास प्रयासों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के लिए हमें विभिन्न राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय सरकारी और गैर सरकारी संगठनों से कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

उन्होंने कहा कि जिस समुदाय में हम मौजूद हैं, उसके प्रति हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप, ईएसएल स्टील लिमिटेड के सीएसआर विभाग और उसके सहयोगी कार्यान्वयन करने वाले एनजीओ ने अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के अवसर पर मानव सेवा आश्रम के दिव्यांग बच्चों के साथ मिलने और उनके साथ कुछ खुशियां साझा करने का फैसला किया। झारखंड के बोकारो जिले के सियालजोरी गांव स्थित, ईएसएल स्टील उत्पादों का एक अग्रणी निर्माता है। इसमें 2.5 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) ग्रीनफील्ड एकीकृत इस्पात संयंत्र है जो पिग आयरन, बिलेट्स, टीएमटी बार, वायर रॉड और डक्टाइल आयरन पाइप का उत्पादन करता है।

नेपाल सीमा पर बांध बनाए या पैकेज दे केंद्र सरकार : संजय झा

ब्यूरो संवाददाता

दिल्ली : बिहार के जल संसाधन एवं जनसंपर्क मंत्री संजय झा ने कहा है कि केंद्र सरकार उत्तर बिहार में आने वाली बाढ़ रोकने के लिए नेपाल सीमा पर बांध बनाए या फिर उससे बचाव के लिए कोई पैकेज दे। उन्होंने मैथिल पत्रकार ग्रुप की ओर से आयोजित मिथिला महोत्सव- 7 और मिथिला लिटरेचर फेस्टिवल-4 के लिए प्रेषित अपने संबोधन में कहा कि इसके लिए दोनों देश के बीच करार भी है, लेकिन डीपीआर बनाने के लिए कोई पहल नहीं की जा रही है। श्री झा ने अपने संबोधन में बिहार में भाजपा के साथ जदयू की लड़ाई के मुद्दों को लेकर भी संकेत दिये। उन्होंने कहा कि मां सीता के जन्म स्थान पुनौरा धाम का पुनरुद्धार कार्य इसी साल दिसंबर में शुरू कर दिया जाएगा। जबकि, अगले साल तक इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह माना जा रहा है कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाली भगवान राम की मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पहले बिहार सरकार इस कार्य को शुरू कर धार्मिक बिंदु पर भी भाजपा से दो-दो हाथ करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने इसके साथ ही उत्तर बिहार में आस्था के केंद्र सिमरिया धाम में सुविधाओं को विकसित करने का भी इरादा व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वहां पर गंगा आरती से लेकर अन्य कार्य के लिए विस्तृत घाट बनाए जा रहे हैं, वहां पर अन्य सुविधाएं भी विकसित की जा रही हैं।

इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. अजय आलोक ने कहा कि मिथिला की भाषा और सभ्यता दुनिया में सबसे मीठी भाषा में शामिल होती है। यह क्षेत्र प्राचीन काल से ही ज्ञान, सभ्यता, संस्कृति और इतिहास का केंद्र रहा है। इस अवसर पर मिथिला के उद्योगपति आरसी चौधरी और अरविंद झा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। एक अन्य सत्र में भागलपुर मूल के दिवंगत पत्रकार संदीप ठाकुर की स्मृति में एक व्याख्यानमाला का आयोजन प्रेस एसोसिएशन और प्रेस क्लब के सहयोग से किया गया। संचालन प्रतिभा ज्योति और प्रकाश झा ने किया।

अगरबत्ती क्यों जलाएं या न जलाएं, जानिए कारण

- डॉ. बी. के. मल्लिक -
वरिष्ठ लेखक
मो. 9810075792

पूजा के समय ज्यादातर घरों में अगरबत्ती जलाई जाती है, लेकिन इसे जलाने की मनाही है या नहीं, इसके बारे में कुछ भ्रांतियां हैं। हर धर्म में आपने देखा होगा कि शुद्धता के लिए लोग अगरबती जलाते है, लेकिन धमार्नुसार इसे सहीं नहीं माना जाता है। पूजा करते समय अगरबत्ती की महक से घर का वातावरण शुद्ध हो जाता है। घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगरबत्ती की महक से देवता भी प्रसन्न रहते हैं और उनकी कृपा परिवार पर बनी रहती है। अगरबत्ती को सुख-समृद्धि का प्रतीक माना जाता है, इसलिए अगरबत्ती जलाना शुभ होता है।

अगरबत्ती जलाने के दो प्रयोजन हैं। पहला यह कि देवताओं के समक्ष अगरबत्ती जलाकर उन्हें प्रसन्न करना और दूसरा यह कि घर में सुगंध को फैलाना जिससे मन शांति महसूस करें। अगरबत्ती जलाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा बाहर हो जाती है।

विशेष प्रकार की सुगंध से मस्तिष्क का दर्द और उससे संबंधित रोगों का नाश हो जाता है। इसे दिल के दर्द में भी लाभदायक माना गया है। इससे गृहकलह और पितृदोष का भी शमन हो जाता है और घर में शांति एवं समृद्धि बनी रहती है। यदि आपको किसी भी प्रकार का तनाव है या चिंता है तो घर में विशेष प्रकार की सुगंध वाली अगरबत्ती लगाएं। इससे रात में अच्छी नींद भी आती है। अगरबत्ती जगाने से पारलौकिक या दिव्य शक्तियां आकर्षित होती है और व्यक्ति को उनसे मदद मिलती है।

इन कारणों से न जलाएं बांस की अगरबत्ती

कहते हैं कि अगरबती में बांस का इस्तेमाल होता है और पूजा में जलाने से दोष लगता है। पहले अगरबत्ती बनाने के लिए चिरचिरा या अन्य लकड़ी का प्रयोग होता था जो बांस की तरह देखने में लगता है, लेकिन वह वास्तव में बांस नहीं होता है। सनातन परंपरा में बांस जलाना अशुभ माना गया है। इससे पितरों का क्रोध बढ़ता है और पितृ दोष लगता है। यह धारणा भी प्रचलित होने लगी है कि अगरबत्ती को जलाना सही नहीं है। इसको जलाने से वंश नष्ट हो जाता है। ऐसी मान्यता भी है कि बांस जलाने से भाग्य का नाश हो जाता है। वैज्ञानिकों अनुसार बांस को जलाने से हमारे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ता है।

पेज- 1 का शेष

7.5 एमटी होगी...

में सेल लगभग 20 मिलियन टन की कंपनी है, जबकि हमारा लक्ष्य है कि इसे 2030-31 तक 35 मिलियन टन तक ले जाएं। इसमें सभी प्लांट की भूमिका है। बर्नपुर, दुगार्पुर, बोकारो और राउरकेला। हमारे इन चारों प्लांट में विस्तारीकरण चल रहा है। लेकिन, कुल मिलाकर बोकारो सेल का सबसे बड़ा प्लांट होगा।

डिजिटलाइजेशन को वृहद बनाने की योजना

श्री प्रकाश ने कहा कि हमने कंपनी की प्राथमिकताएं तय की हैं, जैसे कि रॉ- मैटेरियल को ठीक करना। यह भी हमारी प्राथमिकता है। इससे डी-काबोर्नाइजेशन के साथ-साथ हमारी क्षमता के विकास में भी मदद मिलेगी। डिजिटल एक क्षेत्र है, जिस पर हमारी कंपनी ने पिछले दो साल में कुछ काम किया है, लेकिन हम सोचते हैं कि अब वह समय आ गया है कि डिजिटल को और भी वृहद तरीके से किया जाय। कई सारी डिजिटल योजना हमने बोकारो में भी चालू की, जैसे स्मार्ट मीटर्स। प्लांट के अन्दर कई चीज ऑनलाइन हो गया है, हमारे वेन्डर जो हमें मैटेरियल सप्लाई करते हैं, उनके लिए ऑनलाइन बिलिंग की व्यवस्था हो गई है। उनको कहीं जाने की जरूरत नहीं है, वे घर बैठे अपना बिल जमा कर सकते हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ हमने तय किया है कि बिल रजिस्ट्रेशन और उसका प्रोसेसिंग तुरंत हो जाय। इस तरह की कई डिजिटल स्कीम पर सेल की सभी इकाइयों में ध्यान दिया जा रहा है।

स्वदेशी इस्पात से युद्धपोतों का निर्माण

एक अन्य सवाल के जवाब में सेल अध्यक्ष ने कहा कि हमारे देश में आज सभी युद्धपोत स्वदेशी स्टील से बन रहे हैं। स्पेशल ग्रेड स्टील पर हम अपनी कंपनी में अलग-अलग प्रोडक्ट पर काम कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर पिछले कुछ वर्षों पर आप नजर डालें तो अभी जो युद्धपोत विक्रान्त लॉन्च हुआ, विंध्याचल आया और आगे भी जो हमने अपने देश में बनाने का निर्णय लिया है। एक समय था, जब इसका शत-प्रतिशत स्टील बाहर से आता था। हमारे पास भारत में टेक्नोलॉजी नहीं थी। पिछले 10-15 सालों में सेल ने आगे बढ़कर इसे अपने हाथों में लिया है और आजकल जितने भी युद्धपोत बन रहे हैं, उसके 100 फीसदी स्टील अपने देश में बनते हैं। ये स्टील बोकारो, राउरकेला और भिलाई से आते हैं। इलेक्ट्रिकल स्टील बनाने की दिशा में हमारे आरडीसीआईएस (रिसर्च विंग) में एक रिसर्च चल रहा है। इस रिसर्च की सफलता के आधार पर हम आगे की योजना बनाएंगे। हमारे राउरकेला स्टील प्लांट में कोल्ड रोल नॉन ऑरिएंटेड (सीआरएनओ) में हमारे राउरकेला में मिल है। इसे विकसित कर हम उसमें क्वालिटी और वॉल्यूम, दोनों बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं।

लोगों के चहरे पर फिर आएगी मुस्कान

उन्होंने कहा कि बोकारो टाउनशिप में हमारा जो मेंटेनेंस का फोकस है, वह थोड़ा अब रंग दिखाने लगा है। कुछ चीजें जमीन पर आपको दिखने लगी हैं। हमारा प्लान वृहद है, यह अनुरक्षण कार्य निरंतर चलता रहेगा। पहले की तरह बोकारो में सांस्कृतिक कार्यक्रम करने का हमारा लक्ष्य है। 10 दिसम्बर से फिर से हैप्पी स्ट्रीट के पुनः शुभारंभ के बाद वसंत मेला का आयोजन करना है। ये सारी चीजें हमारे शहर में रौनक लाती हैं। लोगों के चेहरे पर मुस्कान लाती हैं। हमारी यह कोशिश जारी रहेगी।

मिथिला वर्णन
हिन्दी साप्ताहिक

देश-विदेश वर्णन

Postal Reg. No.- DNB- 072/2021-23
बोकारो रविवार 10.12.2023
News & E-paper : www.varnanlive.com

पूरी दुनिया की उम्मीद है भारत : प्रधानमंत्री

10 वर्षों में परिवर्तनकारी सुधारों से जीडीपी में 7.7 % बढ़ोतरी

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने इस वित्तीय वर्ष के पहले 6 महीने में ही 7.7 प्रतिशत की दर से प्रगति की है।' उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया भारत से उम्मीद लगाए हुए है और ये ऐसे ही नहीं हुआ है। ये भारत की मजबूत होती अर्थव्यवस्था और पिछले 10 वर्षों में किए गए परिवर्तनकारी सुधारों का परिणाम है। पिछली छमाही में भारत की 7.7 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि पिछले 10 वर्षों के परिवर्तनकारी सुधारों का परिणाम है। भारत गहरे लोकतांत्रिक मूल्यों और व्यापार और वाणिज्य की ऐतिहासिक परंपरा वाला देश है। भारत में प्रत्येक निवेशक या कंपनी के लिए अवसरों की सबसे विविध श्रृंखला मौजूद है।

प्रधानमंत्री ने ये बातें शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से फिनटेक से संबंधित ग्लोबल थॉट लीडरशिप प्लेटफॉर्म इन्फिनिटी फोरम के दूसरे संस्करण में कही। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने इस साल की शुरूआत में कहा था कि भारत ग्लोबल साउथ को नेतृत्व देने के लिए मजबूत स्थिति में है। कुछ हफ्ते पहले वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम ने कहा कि भारत में लालफीताशाही कम हुई है और निवेश के लिए बेहतर माहौल है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आज भारत की ग्रोथ स्टोरी ने दुनिया को दिखाया है कि जब पॉलिसी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, जब गुड गवर्नेंस के लिए पूरी ताकत लगाई जाए, जब देश और देशवासियों का हित ही आर्थिक नीतियों का आधार हो, तो क्या नतीजे मिलते हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी को नए युग की वैश्विक वित्तीय, प्रौद्योगिकी सेवाओं का वैश्विक केंद्र बनाना चाहते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि गिफ्ट सिटी में 21वीं सदी की आर्थिक नीतियों की मंथन होना, गुजरात का गौरव बढ़ाने वाला है। भारत आज विश्व के सबसे तेजी से बढ़ते फिनटेक बाजार में से एक है। फिनटेक में भारत की ताकत गिफ्ट आईएफएससी के विजन से जुड़ी हुई है, जिसके कारण ये स्थान फिनटेक का एक उभरता हुआ केंद्र बन रहा है। गिफ्ट सिटी में दुनिया के लिए ग्लोबल फिनटेक वल्ड का गेट-वे और फिनटेक लेबरोटरी बननी की क्षमता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में गरबा नृत्य को शामिल करने के लिए गुजरात के लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि गुजरात की सफलता देश की सफलता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज विश्व के सामने खड़ी सबसे बड़ी चुनौतियों में जलवायु परिवर्तन भी एक है। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण भारत भी इन चिंताओं को कम नहीं आंकता है। इसको लेकर हम सचेत हैं।

मोदी की गारंटी पर जनता को भरोसा

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से बातचीत में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनावों में भाजपा को मिली जीत के लिए जनता के प्रति आभार व्यक्त किया। कहा कि हाल के विधानसभा चुनावों के नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि लोगों को 'मोदी की गारंटी' पर भरोसा है। उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल ये सीधी सी बात नहीं समझ पाते कि झूठी घोषणाएं करके उन्हें कुछ हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गत नौ वर्षों में हाशिये पर रहे लोगों के विकास के लिए कार्य किया गया। लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है, ये मेरे लिए संतोष की बात है। विकसित भारत संकल्प यात्रा ऐसे लोगों तक पहुंचने का बहुत बड़ा माध्यम बनी है, जो अब तक सरकार की योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। देश के हर कोने में मोदी की गारंटी वाली गाड़ी को लेकर उत्साह है।

सवालों के घेरे में मुख्य सचिव का तबादला

रोड़ा बने थे सुखदेव सिंह?

विशेष संवाददाता

रांची : झारखंड के मुख्य सचिव पद से भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरीय अधिकारी सुखदेव सिंह का अचानक तबादला किया जाना सवालों के घेरे में आ गया है। उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एल ख्यांगते ने मुख्य सचिव का पदभार संभाल लिया है। दरअसल, सुखदेव सिंह अगले साल 2024 में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। सुखदेव सिंह को ख्यांगते की जगह श्रीकृष्ण लोक सेवा प्रशासन संस्थान का महानिदेशक बनाया गया है। उनका तबादला अन्यत्र किये जाने का मामला सवालों के घेरे में आ गया है। इसके पीछे एक बड़ी साजिश की बू सामने आने लगी है। इसमें राज्य के गृह विभाग में उच्च पदस्थ एक अधिकारी की भूमिका भी संदिग्ध मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अप्रत्यक्ष रूप से पूरी सरकार की व्यवस्था अपने हाथ में रखने के लिए नए मुख्य सचिव के पद पर ख्यांगते तो नहीं बैठाया गया है, यह चर्चा का विषय बना है और इसमें बहुत बड़ा खेल बताया जा रहा है।

बड़ा सवाल... कोई षड्यंत्र तो नहीं?

सुखदेव सिंह के अचानक तबादले से राजनीतिक व प्रशासनिक क्षेत्र में यह सवाल तेजी से उभरने लगा है कि आखिर एक ईमानदार आईएएस अधिकारी, जो पिछले 14 महीने की सरकार में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रधान सचिव रह चुके हैं, वैसे ईमानदार छवि वाले मुख्य सचिव को हटाने का कारण क्या है? क्या कुछ ऐसी संचिकाएं थीं, जिसके लिए सुखदेव सिंह रोड़ा बने हुए थे और बोकारो के ही एक अधिकारी, जो वहां महत्वपूर्ण पद पर बैठे हुए हैं, इस संदर्भ में उनके द्वारा कोई षड्यंत्र रचकर मुख्य सचिव को कहीं बदलवाया तो नहीं गया, यह सवाल चर्चा का विषय बना है। खुफिया जानकारों की मानें तो कुछ ऐसी संचिकाएं हैं, जिनके बारे में केन्द्रीय स्तर पर सीबीआई और ईडी की ओर से झारखंड सरकार के मुख्य सचिव से सूचनाएं मांगी गई थीं। झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठ के मामले में भी झारखंड उच्च न्यायालय ने कुछ

दिन पहले केन्द्रीय गृह मंत्रालय से जवाब तलब किया था। इसके अलावा, कई अन्य मामलों में केन्द्र सरकार की ओर से मुख्य सचिव से जवाब तलब किये गये थे। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार में गृह विभाग के एक उच्चाधिकारी यह नहीं चाहते थे कि ये सूचनाएं केंद्रीय एजेंसियों को उपलब्ध कराई जाएं। लेकिन, चूंकि न्यायालय के साथ-साथ केंद्रीय एजेंसियों का निर्देश था, इसलिए उसका अनुपालन नहीं करना एक अच्छे अधिकारी की कार्यशैली पर ही प्रश्न-चिन्ह खड़ा करता, इसलिए पूर्व मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने उक्त केन्द्रीय एजेंसियों को सूचनाएं देने पर अपनी सहमति दी थी। लेकिन, बताया जा रहा है कि चूंकि राज्य सरकार के उच्च पदों पर बैठे कुछ अधिकारी इसमें फंसे हुए हैं और यह सारा खेल सारा उसी पिन्टू के मामले से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है, जो अवैध खनन के मामले में ईडी की रडार पर है, इसलिए बोकारो से ही संबंध रखने वाले दो बड़े अधिकारियों ने मुख्य सचिव सुखदेव सिंह के तबादले में बड़ी भूमिका निभाई है।

विवादों से पुराना नाता

जानकारों की मानें तो झारखंड सरकार में गृह विभाग के एक उच्चाधिकारी का विवादों से पुराना नाता रहा है। उनके बोकारो स्थित आवास पर कभी सीबीआई की छापेमारी भी हो चुकी है। कहा जा रहा है कि ईडी और उसके अधिकारियों को फंसाने के मामले में भी इन अधिकारियों की भूमिका रही है। जरूरत इस बात की है कि इन अवैध खनन के कारोबार से जुड़े लोग इन अधिकारियों के सीधे सम्पर्क में हैं या नहीं, इसकी जांच हो और अगर ऐसा होता है तो सुखदेव सिंह को मुख्य सचिव के पद से अचानक हटाने के पीछे की कहानी भी स्वतः स्पष्ट हो जाएगी।

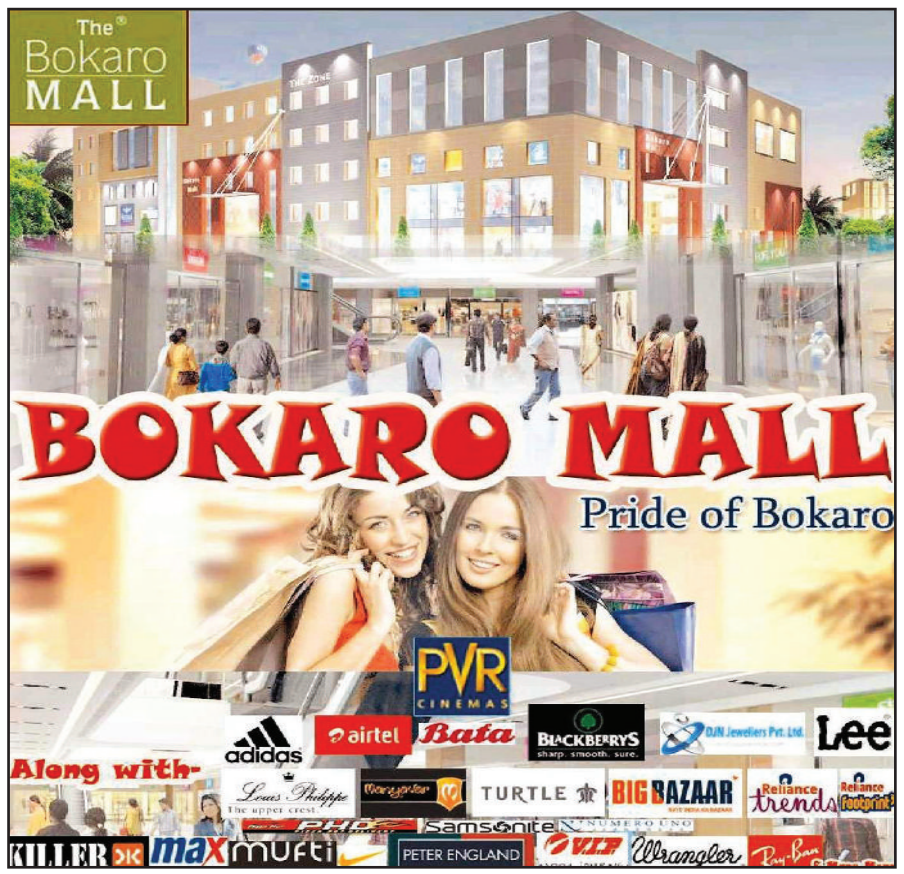

CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY CASHLESS FACILITY

शिवम् हॉस्पीटल में

सेल के रिटायर्ड कर्मचारियों के लिए

मोतियाबिन्द का ऑपरेशन एवं लेंस लगाया जाता है।

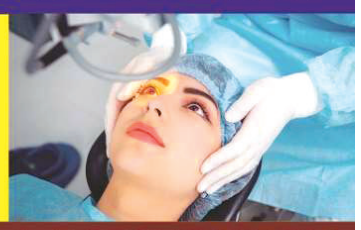

E-2, LAXMI MARKET, SECTOR-4, B.S.CITY-827004
PH: 06542-232623/233475, MOB: 7488090631

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **कैप्टन संजय,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)